AECC Course I

Semester I

हिन्दी भाषा, व्याकरण और संप्रेषण
(Faculty of Science)

Contact Hour/week-2
Contact Hour/semester-30
Credits Assigned-02
Paper Code-- AEN5211T

Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा की परिभाषा एवं परिचय के साथ उसकी व्याकरणिक विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेगा। विद्यार्थी हिन्दी भाषा की वर्ण व्यवस्था आदि व्याकरणिक आधारों का परिचय प्राप्त कर भाषा के उच्चारण, लेखन तथा पठन में शुद्ध रूप का प्रयोग कर अपने कार्य क्षेत्र में भाषा के माध्यम से अपनी योग्यता सिद्ध कर सकेगा।

Outcome

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी इनमें सक्षम होंगे – भाषा और उसकी उत्पत्ति के मूल सिद्धांतों अवधारणाओं से परिचित हो भाषिक परिवर्तनों को समझने में सक्षम होगा। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, व्याकरणिक विशेषता तथा उसके विकास क्रम को समझ सकेगा। वर्णों के भेदों व उच्चारण स्थानों का ज्ञान प्राप्त कर लेखन व उच्चारण में शुद्धता लायेगा। प्रभावी संप्रेषण का महत्त्व समझने के साथ – साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पाठन में भी सक्षम होगा। विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन शैलियों से परिचित हो उसका उपयोग करेगा।

इकाई 1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
हिन्दी भाषा की विशेषताएँ , क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी
हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था

इकाई 2 संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय

इकाई 3 भाषा संप्रेषण के चरण, श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
भावार्थ और व्याख्या, आलेख लेखन, पत्र लेखन- प्रार्थना पत्र, आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, अभिनंदन पत्र, व्यावसायिक पत्र।

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
2. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी
3. संक्षेपण और पल्लवन - कैलाश चन्द भाटिया/तुमन सिंह
4. पत्र व्यवहार निर्देशिका- भोलानाथ तिवारी, विजय कुलश्रेष्ठ
5. राजकाज में हिन्दी – हरदेव बाहरी
6. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – हरदेव बाहरी

Scanned with CamScanner